B. Com. Part II (Subsidary)

Money & Banking

Q. अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के उद्देश्यों की विवेचना कीजिए।

Ans:- कोष सम्बन्धी समझौते पत्र (charter) की धारा 1 (Article) कोष के उद्देश्यों का स्पष्ट वर्णन किया गया है। संक्षेप में इनके उद्देश्य निम्नलिखित हैं:-

(i) अन्तर्राष्ट्रीय मौद्रिक सहयोग (International monetary Co-operation):- इस कोष का प्रधान उद्देश्य एक स्थायी संस्था द्वारा संसार के विभिन्न देशों के बीच मौद्रिक सहयोग स्थापित करना है। ऐसा करके संसार में बहुदेशीय भुगतान प्रणाली की स्थापना करना है।

(ii) स्थायी बहुदेशीय व्यापार का सन्तुलित विकास (Balanced growth of a Stable multilateral trade):- मुद्रा कोष का दूसरा महत्वपूर्ण उद्देश्य स्थायी बहुदेशीय व्यापार के सन्तुलित विकास और विस्तार को सुविधाजनक बनाना और इस प्रकार सभी सदस्य देशों में रोजगार तथा वास्तविक आय के उच्च स्तरों को स्थापित करना तथा बनाये रखना और आर्थिक नीति के प्राथमिक उद्देश्य के रूप में सदस्य देशों के उत्पादन साधनों का विकास करना है।

(iii) विनिमय दरों में स्थिरता स्थापित करना:- मुद्रा कोष का तीसरा उद्देश्य विनिमय दरों में स्थिरता स्थापित करना, सदस्य देशों के बीच विदेशी विनिमय प्रतिबन्धों (Foreign Exchange Restrictions) तथा प्रतियोगी अवमूल्यन (competitive depreciation) को रोकना है। कोष के समझौते पत्र के अनुसार "No member shall without the approval of the fund, impose restrictions on the making of payments and transfers for current international transactions.

परन्तु सदस्य देशों की आन्तरिक अर्थव्यवस्था में सन्तुलन स्थापित करने के उद्देश्य से विदेशी विनिमय दरों में परिवर्तन किया जा सकता है।

(iv) बहुदेशीय भुगतान तथा व्यापार प्रणाली की स्थापना करना (To establishment multilateral System of payments and trade):- कोष का उद्देश्य द्विपक्षीय समझौता के स्थान पर बहुदेशीय भुगतान तथा व्यापार प्रणाली की स्थापना में सहायता प्रदान करना है। इसके साथ ही उन विनिमय प्रतिबन्धों को हटवाने में सहायता करना है जिनसे विश्व व्यापार के विकास में बाधा उपस्थित होती है।

(iv) सदस्य देशों में विश्वास उत्पन्न करना (To Give Confidence to member Countries):- समुचित सुरक्षा के अन्तर्गत सदस्य देशों को उचित समय पर अल्पकालीन मौद्रिक सहायता देकर उनमें विश्वास उत्पन्न करना और इस प्रकार उन्हें अपने शोधन तुलन के असंतुलन को दूर करने का अवसर प्रदान करना है।

(v) शोधन तुला के असंतुलन की अवधि और मात्रा को कम करना (Shorten the duration and Reduce the magnitude of the temporary disequilibrium in the balance of payment.) :- मुद्रा कोष सदस्य देशों के शोधन तुला में होने वाले असंतुलन की अवधि और मात्रा को कम करने का भी प्रयत्न करता है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए मुद्रा कोष सदस्य देशों को विदेशी मुद्राएँ बेचता तथा उधार देता है।

निष्कर्ष:- यह है कि जिन प्रधान उद्देश्यों की पूर्ति के लिए मुद्रा कोष की स्थापना हुई थी वे हैं विनिमय में स्थायित्व स्थापित करना, सभी देशों को अल्पकालीन सहायता करना तथा शोधन तुला के असंतुलन को ठीक करना।